RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 246
दि. 06.01.2026, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपी पुलिस भर्ती 2025: सीएम योगी का बड़ा फैसला, कांस्टेबल पदों के लिए अधिकतम उम्र सीमा में मिलेगी 3 साल की छूट

लखनऊ (जीएनएस)।

यूपी पुलिस में निकली कांस्टेबल की मौजूदा वैकेंसी को लेकर उम्र सीमा में छूट की मांग कैंडिडेट्स कर रहे थे।

यूपी पुलिस में निकली मौजूदा कांस्टेबल की भर्ती को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, सोमवार (05 जनवरी 2026) को सीएम योगी ने यह घोषणा कर दी कि प्रदेश में कुल 32679 रिक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स को अधिकतम उम्र सीमा में अब 3 साल की छूट दी जाएगी। सीएम का यह ऐलान जनरल कैटेगिरी के उम्मीदवारों के लिए सबसे बड़ी राहत है क्योंकि यही वर्ग सोशल मीडिया के जरिए लगतातार यह अधिकतम उम्र सीमा में छूट की मांग कर रहा था।

इस फैसले के बाद बढ़ सकती है आवेदनों की संख्या

सीएम के इस ऐलान के बाद यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती में जनरल कैटेगिरी के उम्मीदवारों के लिए उम्र सीमा 18 साल से लेकर 25 साल हो जाएगी जो कि अभी तक बस 22 साल थी। यह पुरुष उम्मीदवारों के लिए होगा। वहीं महिला उम्मीदवारों के लिए उम्र सीमा 18-28 वर्ष होगी। बदले गए नियमों के मुताबिक, सभी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम उम्र सीमा में 3 साल की छूट का प्रावधान है। सरकार के इस आदेश के बाद इस भर्ती के लिए आवेदन बढ़ने की संभावना है।

इन पदों के लिए होने वाली भर्ती में मिलेगी यह छूट

यूपी सरकार का यह फैसला यूपी पुलिस में इन पदों के लिए होने वाली भर्ती पर लागू होगा- आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), पीएसी आरक्षी, सशस्त्र पुलिस, विशेष सुरक्षा बल, महिला बटालियन, घुड़सवार पुलिस, जेल वार्डर (पुरुष/महिला)

सोशल मीडिया पर की जा रही थी यह मांग

यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती की अधिकतम आयु सीमा में छूट की मांग उम्मीदवारों की ओर से सोशल मीडिया पर लगातार की जा रही थी। उम्मीदवारों का कहना था कि सामान्य वर्ग की आयु सीमा 18 से 22 साल रखना अन्याय है। सालों से तैयारी कर रहे छात्र अब ओवरएज हो गए हैं। 2019 के बाद सिर्फ 2023 में एक भर्ती निकली थी जिसके बाद कई उम्मीदवारों को मौका ही नहीं मिला। बता दें कि पिछली 60 हजार कांस्टेबल भर्ती में अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट दी गई थी। इसके अलावा 2025 में निकली सब इंस्पेक्टर की भर्ती के लिए भी उम्मीदवारों को 3 साल की छूट मिली थी।

4 दिन में पाकिस्तान की तीसरी धमकी, अब बोला- 'भारत जानता है कि...'

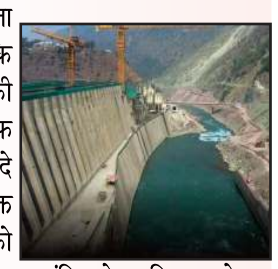

पाकिस्तान में पानी को लेकर बेचैनी बढ़ती जा रही है. नए साल पर ये तीसरी बार है कि पाकिस्तान ने भारत को धमकी देने की कोशिश की है. इससे पहले आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ पिछले 4 दिनों में 2 बार भारत विरोधी बयान दे चुके हैं. सिंधु जल के लिए पाकिस्तान के आयुक्त सैयद मुहम्मद मेहर अली शाह ने 4 जनवरी को बयान देते हुए कहा कि भारत की तरफ से सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का दावा अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्य नहीं है. उनके अनुसार यह संधि पूरी तरह से लागू है और इसे इस तरह रोका नहीं जा सकता.

'अनगिनत आक्रमण, अटूट आस्था', सोमनाथ मंदिर पर हमले के 1000 साल, पीएम मोदी ने लिखा भावुक ब्लॉग

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भावुक और विचारोत्तेजक ब्लॉग के माध्यम से सोमनाथ मंदिर की हजार वर्षों की संघर्षपूर्ण, लेकिन गौरवशाली यात्रा को शब्द दिए हैं। यह ब्लॉग केवल एक मंदिर के इतिहास का वर्णन नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यता, आस्था, स्वाभिमान और पुनर्जागरण की अदम्य शक्ति का प्रतीक है। सोमनाथ, जो बार-बार विध्वंस के बाद भी पुनः खड़ा हुआ, आज भी भारत की आत्मा का शाश्वत प्रतीक बना हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि "सोमनाथ" नाम सुनते ही मन में गौरव और आस्था का भाव जाग उठता है। गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित यह ज्योतिर्लिंग भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में सोमनाथ का उल्लेख सबसे पहले आता है, जो इसकी सभ्यतागत और धार्मिक महत्ता को दशार्ता है।

प्रधानमंत्री ने स्मरण कराया कगुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर पर पहला बड़ा हमला जनवरी 1026 ईस्वी में महमूद गजनवी द्वारा किया गया था, जिसने पवित्र ज्योतिर्लिंग को खंडित कर दिया। इसके बाद अलाउद्दीन खिलजी (1299), जफर खान (1395) और औरंगजेब (1706) जैसे शासकों ने भी इस श्रद्धा केंद्र पर आक्रमण किए। इन हमलों का उद्देश्य केवल भौतिक विनाश नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को तोड़ना था। प्रत्येक हमले के बावजूद, मंदिर के पुनर्निर्माण के प्रयास लगातार जारी रहे। भारत की स्वतंत्रता के उपरांत, सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शी पहल पर इसका वर्तमान भव्य स्वरूप निर्मित हो सका, जो 1951 में पूर्ण हुआ।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका, टीएमसी छोड़ कांग्रेस में लौटीं राज्यसभा सांसद मौसम नूर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका देते हुए राज्यसभा सांसद मौसम नूर ने शनिवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। पार्टी में वापसी करते हुए उन्होंने साफ कहा कि अब बंगाल को बदलाव की जरूरत है।

46 वर्षीय मौसम नूर का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और उनके मालदा से चुनावी मैदान में उतरने की प्रबल संभावना है। वे इससे पहले 2009 से 2019 तक मालदा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 जनवरी को राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे : उप मुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी

उप मुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी ने राजकोट कलेक्ट्रेट में पत्रकारों को संबोधित किया

वीजीआरसी से सौराष्ट्र-कच्छ में बड़े पैमाने पर निवेश आएगा : श्री हर्षभाई संघवी

गुजरात सरकार का उद्योगकारों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का स्थल पर ही निपटारा करने का दृष्टिकोण स्वागत योग्य : प्रभारी मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी

गांधीनगर, 05 जनवरी : उप मुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी ने सोमवार को राजकोट जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में आज राजकोट में सौराष्ट्र-कच्छ के उद्योगपतियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के छोटे-बड़े उद्योगकारों की मुश्किलों, समस्याओं और उनके विभिन्न मुद्दों का तत्काल समाधान किया गया ताकि वे और अधिक निवेश करके अपने उद्योगों का विकास कर सकें। इसके साथ ही, सभी विभागों के साथ एक समूह बैठक भी की गई।

उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में राजकोट गुजरात का ग्रोथ इंजन है और आने वाले दिनों में देश और दुनिया से और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) का आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व मेहसाणा में पहली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक आयोजित हो चुकी है।

श्री संघवी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 जनवरी को राजकोट स्थित मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कॉन्फ्रेंस के दौरान और उसके बाद के दिनों में भी सौराष्ट्र और कच्छ में बड़े पैमाने पर निवेश आएगा।

उन्होंने कहा कि राजकोट मैन्युफैक्चरिंग सहित सभी सेक्टरों में काफी तेजी से प्रगति कर रहा है। लेकिन, और भी अधिक गति से विकास हो सके और व्यापारियों, उद्योगकारों एवं मैन्युफैक्चरर्स ज्यादा आसानी से काम कर सकें, इसके लिए आज उनकी बैठक का आयोजन किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि आज राजकोट से गुजरात सरकार की विभिन्न औद्योगिक नीतियों के तहत राज्य के 10,435 उद्योगकारों को 956.51 करोड़ रुपए की प्रोत्साहक सहायता का वितरण किया गया है। टेक्सटाइल, इंसेंटिव टू इंडस्ट्रीज, पर्यावरण, औद्योगिक बुनियादी ढांचे की योजना, लघु उद्योगों से संबंधित योजना जैसी योजनाओं के अंतर्गत सौराष्ट्र एवं कच्छ के 137 उद्योगकारों को कुल 661.73 करोड़ रुपए की राशि के स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि गुजरात देश में सबसे तेजी से इंसेंटिव देने वाला राज्य है। इस प्रक्रिया को और भी तेज बनाने के लिए उद्योग विभाग दिन-रात काम कर रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सबसे अधिक निवेश लाने में गुजरात की सफलता का जिक्र करते हुए आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में भी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार सभी नागरिकों के सहयोग से राज्य में अधिक से अधिक निवेश लाकर विकास के मार्ग पर अग्रसर रहेगी।

उधर, प्रभारी मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि उद्योगकार और व्यापारी मैन्युफेक्चरिंग और व्यापार-धंधों के जरिए राज्य की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान दे रहे हैं, तब मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी के नेतृत्व में उद्योगकारों की समस्याओं का स्थल पर ही निपटारा करने तथा नीति विषयक मुद्दों का तत्काल राज्य स्तर से समाधान करने के लिए आज यहां उद्योगकारों के साथ बैठक की गई, जो स्वागत योग्य है।

इस प्रेस वार्ता में राजस्व विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. जयंती रवि, उद्योग एवं खान विभाग की अपर मुख्य सचिव सुश्री ममता वर्मा, विधायक सर्वश्री उदयभाई कानगड़, डॉ. दर्शिताबेन शाह और दुर्लभजीभाई देथरिया सहित जिला कलेक्टर डॉ. ओम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

क्या नारायण राणे छोड़ रहे राजनीति? अब महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने खुद बताया आखिर क्या है सच

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्‍यमंत्री और

पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को लेकर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। हालांकि अपने राजनीतिक संन्यास की अटकलों पर अब खुद नारायण राणे ने खुलकर बात करते हुए सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया और उन्होंने राजनीति छोड़ने का कोई संकेत नहीं दिया है।

यूपी में अखिलेश यादव का पीडीए पास होगा या फेल? मिशन-27 से पहले सपा ने शुरू किया ये खेल

यूपी की राजनीति में 2027 से पहले भोज और ब्राह्मणों की बैठक ने पार्टियों के बीच हलचल मचा दी है. बीजेपी के ब्राह्मणों की बैठक के बाद अब रढ ने अपना दांव चलकर माहौल और गरमा दिया है.

नए साल की शुरूआत के साथ ही उत्तर प्रदेश की सियासत ने भी रफ्तार पकड़ ली है. भले ही विधानसभा चुनाव 2027 में होने हों, लेकिन राजनीतिक दलों ने अभी से मोचेबंदी और दांव-पेंच आजमाने शुरू कर दिए हैं. हाल ही में बीजेपी की ब्राह्मणों को लेकर हुई बैठक ने राजनीतिक गलियारों में खूब हलचल मचाई थी, जिसकी गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि अब समाजवादी पार्टी ने एक नया सियासी दांव चलकर माहौल और गरमा दिया है. हालांकि बीजेपी ने उस बैठक को सहभोज का नाम दिया था. इन्हीं बैठकों की याद दिला दिलाकर विपक्ष अब चोखा-बाटी के चटखारे ले रहा है.

ऐसा इस लिए कह रहे हैं क्योंकि यूपी की सियासत में समाजवादी पार्टी ने साल के पहले ही दिन बाटी चोखा खिलाकर बहुत दूर तक निशाना साधा है. 1 जनवरी को गुनगुनी धूप में लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय में बाटी चोखा बना और आयोजन में हर वर्ग के लोगों को बाटी चोखा खिलाया गया. आम लोग भी आए, समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं और नेताओं ने भी स्वाद लिया. वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लोगों से मुलाकात भी की.

समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव तो बीजेपी के ब्राह्मण विधाकों के लिए अपनी पार्टी के दरवाजे तक खोल चुके हैं. उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, 'बीजेपी के सदस्य जाति के आधार पर बात करते हैं.

चंडीगढ़ मॉडल पर बसाया जाएगा 'न्यू आगरा', वाईईआईडीए का बड़ा फैसला

(जीएनएस)।

आगरा के शहरी भविष्य को नई दिशा देने की तैयारी तेज हो गई है। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (YEIDA) आगरा जिले में एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और विश्वस्तरीय शहर 'न्यू आगरा' विकसित करने की योजना पर तेजी से आगे बढ़ रही है। यह शहर चंडीगढ़ की तर्ज पर सेक्टर आधारित और योजनाबद्ध विकास का उदाहरण होगा।

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का ड्राफ्ट मास्टर प्लान दिल्ली स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (SPA) द्वारा समीक्षा के बाद सुझावों के साथ YEIDA को वापस भेज दिया गया है। संभावना है कि आगामी बोर्ड बैठक में इस प्लान को अंतिम स्वीकृति मिल सकती है।

आगरा जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे। इस बैठक में रढअ द्वारा दिए गए सुझावों पर चर्चा कर व्यावहारिक बिंदुओं को मास्टर प्लान में शामिल किया जाएगा। इसके बाद प्लान को बोर्ड की मंजूरी के लिए रखा जाएगा और फिर राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

58 गांव, 12,200 हेक्टेयर और 14.6 लाख आबादी की योजना

न्यू आगरा परियोजना के तहत आगरा जिले के 58 गांवों को एकऊ्अ क्षेत्र में अधिसूचित किया गया है।

इन गांवों की लगभग 12,200 हेक्टेयर भूमि पर नया शहर विकसित किया जाएगा। मास्टर प्लान के अनुसारः करीब 14.6 लाख लोगों के लिए आधुनिक शहरी सुविधाएं विकसित होंगी, पर्यटन, औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों के विस्तार से, लगभग 8.5 लाख रोजगार अवसर पैदा होने का अनुमान है, चंडीगढ़ की तर्ज पर सेक्टर प्लानिंग, इस नए शहर मेंः सेक्टर आधारित जोनिंग, पर्याप्त हरित क्षेत्र (ग्रीन स्पेस), सुव्यवस्थित सड़क नेटवर्क, संतुलित रेजिडेंशियल, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल जोन पर खास फोकस किया जाएगा, ताकि शहर भविष्य की जरूरतों के अनुरूप टिकाऊ और व्यवस्थित बने।

उमर खालिद-शरजील को नहीं मिली जमानत, एक साल के लिए अपील पर भी रोक

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों से जुड़े मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की गई। सर्वोच्च न्यायालय ने शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इसके साथ ही 5 आरोपियों को जमानत दे गई है।

दिल्ली दंगों के सात आरोपी गुलफिशा फातिमा, शरजील इमाम, मीरान हैदर, उमर खालिद, शिफा-उर-रहमान, मोहम्मद शकील खान और शादाब अहमद ने सुप्रीम कोर्ट से जमानत की मांग की थी।

कोर्ट ने दोनों आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, पुलिस भर्ती में आयु सीमा पर तीन साल की राहत

32,679 पदों पर सीधी भर्ती में सभी वर्गों को आयुसीमा में छूट उत्तर प्रदेश में युवाओं के हित में फिर आगे आई योगी सरकार

लखनऊ, 5 जनवरीः उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती–2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

लाखों युवाओं को होगा लाभ

सीधी भर्ती–2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को भरे जाने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा।

सरकार द्वारा यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली–1992 के नियम–3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे।

युवाओं के हित में योगी आदित्यनाथ सरकार

योगी सरकार का यह कदम साफ संदेश देता है कि प्रदेश की सरकार युवाओं की वास्तविक समस्याओं को समझती है और समाधान के लिए ठोस फैसले लेने से पीछे नहीं हटती। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को न्यायसंगत अवसर देना, रोजगार के अधिक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराना और प्रशासनिक निर्णयों में संवेदनशीलता बनाए रखना योगी सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है। पुलिस भर्ती में आयु सीमा शिथिलीकरण का यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं की उम्मीदों को नया बल देगा, बल्कि यह भी दशार्ता है कि योगी आदित्यनाथ सरकार में युवाओं का भविष्य नीति निर्धारण के केंद्र में है।

5 लाख रुपए दो नहीं तो अश्लील वीडियो... महिला को ड्राइवर पर भरोसा करना पड़ा भारी

(जीएनएस)।

लखनऊ के राजाजीपुरम इलाके से ब्लैकमेलिंग और धमकी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। एक महिला ने अपने पूर्व ड्राइवर पर अश्लील फोटो–वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने, चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप...

नेशनल डेस्कः लखनऊ के राजाजीपुरम इलाके से ब्लैकमेलिंग और धमकी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। एक महिला ने अपने पूर्व ड्राइवर पर अश्लील फोटो–वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने, चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोपी महिला से 5 लाख रुपये की मांग कर रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी हनुमान सिंह, जो राजस्थान का निवासी है, पिछले ढाई से तीन साल से उनके यहां ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था। इस दौरान उसका घर में आना–जाना बना रहा। महिला का आरोप है कि वेतन के अलावा आरोपी ने अपनी मां के कैंसर इलाज का हवाला देकर उनसे करीब 5 लाख रुपये उधार लिए थे और किस्तों में लौटाने का भरोसा दिया था। कुछ समय पहले वह अचानक नौकरी छोड़कर गायब हो गया।

आरोपी के फरार होने के बाद जब घर का सामान चेक किया गया, तो सोने के जेवरात और लगभग 50 हजार रुपये नकद गायब मिले। पीड़िता को आशंका है कि यह चोरी भी उसी ने की है। इसके बाद आरोपी ने फोन कॉल के जरिए महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

पीड़िता का कहना है कि आरोपी धमकी दे रहा है कि उसके पास उनके अश्लील फोटो और वीडियो हैं, जिन्हें वह सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा, अगर 5 लाख रुपये नहीं दिए गए। इतना ही नहीं, आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे महिला और उसका परिवार दहशत में आ गया।

घटना से परेशान होकर पीड़ित परिवार ने तालकटोरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में थाना तालकटोरा के इंस्पेक्टर कुलदीप ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

'ये माननीय अध्यक्ष हैं', नितिन नबीन को नेताओं ने ऐसा क्या कहा कि हाईकमान हुई गुस्सा, भाजपा में नया प्रोटोकॉल

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी के संगठन में इन दिनों एक वाक्य बार–बार सुनाई दे रहा है – "पद नाम से बड़ा होता है"। वजह हैं नवनियुक्त कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन। उनके नाम को लेकर हुई एक छोटी सी 'लापरवाही' ने ऐसा संदेश दे दिया कि अब पार्टी में बोलने की भाषा तक पर अनुशासन तय हो गया है।

दरअसल नितिन नबीन उम्र और राजनीतिक अनुभव में पार्टी के कई दिग्गज नेताओं से छोटे हैं। इसी वजह से कुछ वरिष्ठ नेता अनौपचारिक बातचीत में उन्हें सीधे नाम से संबोधित कर रहे थे। बात जब ऊपर तक पहुंची, तो हाईकमान का मूड बिगड़ गया। संदेश साफ था – अब वे सिर्फ नितिन नबीन नहीं, "माननीय अध्यक्ष" हैं।

नाम नहीं, पद से संबोधन... यहीं से शुरू हुआ बवाल

हिन्दुस्तान के साप्ताहिक कॉलम 'राजदरबार' के मुताबिक नितिन नबीन के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद संगठन में प्रोटोकॉल को लेकर सख्ती इसलिए बढ़ी, क्योंकि कुछ वरिष्ठ नेता निजी रिश्तों के चलते पद की गरिमा भूल बैठे थे। हाईकमान को यह संदेश गलत लगा। नेतृत्व का मानना है कि अगर शीर्ष स्तर पर अनुशासन ढीला होगा, तो नीचे तक गलत संकेत जाएगा।

यही वजह है कि अब पार्टी ने सभी नेताओं और पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बातचीत चाहे बंद कमरे में हो या सार्वजनिक मंच पर, संबोधन हमेशा पद के अनुरूप होगा। नाम लेकर बुलाने की आदत पर अब ब्रेक लगा दिया गया है।

हाईकमान का तर्क, जुबान भी अनुशासन सीखें

भाजपा नेतृत्व का मानना है कि संगठन केवल फैसलों से नहीं, भाषा से भी चलता है। पद की गरिमा शब्दों में दिखनी चाहिए। इसलिए पुराने निजी रिश्ते, साथ की राजनीति और दोस्ती, सब एक तरफ रखकर अब पद को प्राथमिकता देने का आदेश दिया गया है।

खास बात यह भी है कि नितिन नबीन के जल्द ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की संभावना मानी जा रही है। ऐसे में पार्टी किसी भी तरह का भ्रम या असहजता पहले ही खत्म करना चाहती है।

नितिन नबीन की सादगी भी बनी चर्चा

दिलचस्प यह है कि जिस प्रोटोकॉल को लेकर पार्टी सख्त हुई, उसी नितिन नबीन का व्यवहार अब भी वैसा ही सरल है। वे अपने वरिष्ठ नेताओं से उसी पुराने सम्मान और सहजता के साथ मिलते हैं। फर्क बस इतना है कि अब दूसरे पक्ष को सावधान कर दिया गया है कि सादगी को हल्के में न लें।

पदभार ग्रहण करते ही नितिन नबीन ने एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत पर चलते हुए पथ निर्माण मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन विधायक बने रहे। पार्टी के भीतर इसे अनुशासन का मजबूत संकेत माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में भी बदला तेवर, पंकज चौधरी का सख्त संदेश

सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में भी अनुशासन का डोज बढ़ गया है। नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पद संभालते ही साफ कर दिया कि गुटबाजी और जातिगत बैठकें अब नहीं चलेंगी।

हाल ही में एक खास जाति से जुड़े विधायकों की अलग बैठक की खबर सामने आई, जिस पर पंकज चौधरी ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने दो टूक कहा कि ऐसी गतिविधियां पार्टी के संविधान और सिद्धांतों के खिलाफ हैं।

'मिशन 2027' या नई सख्ती की शुरूआत

पार्टी के भीतर इस सख्ती को लेकर दो राय हैं। एक वर्ग मानता है कि यह 'मिशन 2027' की तैयारी का हिस्सा है, जहां टिकट और भविष्य की राजनीति के लिए अभी से कसावट जरूरी है।

दूसरा वर्ग इसे नए अध्यक्षों की पहली अग्निपरीक्षा मान रहा है। जो नेता अब तक गुट बनाकर राजनीति कर रहे थे, उनके बीच बेचैनी साफ दिख रही है। उन्हें डर है कि पुरानी गतिविधियां अगर नए नेतृत्व के संज्ञान में आ गईं, तो मुश्किल बढ़ सकती है।

क्या नितिन नबीन बनेंगे अगले निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष?

भाजपा के अंदर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नितिन नबीन ही अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। संगठनात्मक प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। पंचायत से लेकर जिला और प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद अब नजर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर है।

सूत्रों के मुताबिक, खरमास खत्म होते ही प्रक्रिया तेज होगी। सभी प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली में बैठक करेंगे, सहमति बनी तो नाम राष्ट्रीय परिषद के पास जाएगा। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद तारीख तय होगी।

अगर ऐसा होता है, तो भाजपा के लिए यह गर्व का क्षण होगा कि बिहार का नेता पार्टी की सबसे बड़ी कुर्सी तक पहुंचा। फिलहाल इतना तय है कि भाजपा में अब सिर्फ फैसले नहीं बदले हैं, बोलने का तरीका भी बदल चुका है।

यूपी में अब बिजली उपभोक्ताओं को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर चुनने का अधिकार, नई कॉस्ट डाटा बुक में आयोग ने किया साफ

लखनऊ। बुधवार को नियामक आयोग की ओर से जारी नई कास्ट डाटा बुक ने स्पष्ट किया गया है कि बिजली उपभोक्ताओं को पोस्टपेड अथवा प्रीपेड स्मार्ट मीटर चुनने का अधिकार है। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) के तहत उपभोक्ताओं के पास यह अधिकार प्राप्त है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्युत अधिनियम–2003 के तहत उपभोक्ताओं को पोस्टपेड अथवा प्रीपेड मीटर चुनने का अधिकार मिला है। अब तक राज्य में इसका पालन नहीं किया जा रहा था। नई कास्ट डाटा बुक ने स्पष्ट कर दिया है कि

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड
U.P. POWER CORPORATION LIMITED

पोस्टपेड कनेक्शन पर सिक्योरिटी राशि जमाकर उपभोक्ता पोस्टपेड कनेक्शन रख सकता है।

सहमति के बिना कनेक्शन देना विद्युत अधिनियम के खिलाफ

उपभोक्ता की सहमति के बिना जबरिया प्रीपेड मोड में कनेक्शन देना विद्युत अधिनियम के खिलाफ है। आयोग ने बिजली कंपनियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि स्मार्ट मीटर लगाए जा सकते हैं, लेकिन उनका मोड (प्रीपेड या पोस्टपेड) उपभोक्ता की सहमति पर निर्भर करेगा।

एसजीओ और कोतवाली पुलिस की बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़

मैनपुरी (जीएनएस)।

लूट के आरोप में फरार आरोपियों से पुलिस की मुठभेड़

बदमाशों ने पुलिस पर कई राउंड की फायर

पुलिस ने आत्मरक्षा के बचाव में बदमाशों के पैर में मारी गोली

पुलिस ने आरोपी के पास से अवैध तमंचा और बाइक भी की बरामद

पकड़े गए आरोपी के पास से कारतूस भी हुए बरामद

आरोपी पर 2 दर्जन से अधिक कई मामले है दर्ज

शहर कोतवाली के नवादा के पास हुई मुठभेड़

मकर संक्रांति के अवसर परहरिग्टनगंज के ग्राम सत्येन्द्र नगर खड़भड़िया में 50वें मेले का आयोजन

अयोध्या 05 जनवरी 2026 (सू0वि0):–मुख्य विकास अधिकारी श्री कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि मकर संक्रांति के अवसर पर विकास खण्ड हरिग्टनगंज के ग्राम सत्येन्द्र नगर खड़भड़िया में 50वें मेले का आयोजन दिनांक 13 से 22 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है, जिसमें जनपद के जनकल्याणकारी संबंधित विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाना सुनिश्चित किया जायेंगा, जिससे संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार हो सकें और शासन द्वारा चलायी जा रही

पोस्टमॉर्टम कराने पहुंचे थे दरोगा, हार्ट अटैक ने पल भर में छीन ली जिंदगी

(जीएनएस)।

बदायूं में एक दर्दनाक मामला सामने आया है जहां पर पोस्टमॉर्टम हाउस पर सोमवार को सुबह दरोगा कुंवरपाल सिंह अचानक गिरकर बेहोश हो गए. कुछ ही पलों में उनकी मौत हो गई. बताया गया है कि हार्ट अटैक से उनकी जान गई है.

मौके पर मौजूद पुलिस कर्मी उनको बचाने के लिए सीपीआर देते रहे लेकिन उनको बचाया नहीं जा सका और उनकी मौत हो गई जिसके बाद हड़कंप मच गया दरोगा को टूटलरांट जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर उनको मृत घोषित किया गया है.

बदायूं के उझानी कोतवाली में तैनात दरोगा कुंवरपाल सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह सोमवार सुबह किशोरी के शव का पोस्टमॉर्टम कराने के सिलसिले में मोर्चरी पर पहुंचे थे.उसी दौरान वह अचानक जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए. वहां मौजूद साथी सिपाहियों ने तुरंत उन्हें सीपीआर दिया, लेकिन उनकी सांसें नहीं लौट सकीं.

दरोगा को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.दरोगा की असयम मौत होने से पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई. सूचना मिलते ही एसएसपी समेत तमाम पुलिस अफसर जिला अस्पताल पहुंच गए. घटना की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है परिजन मौके पर पहुंच रहे हैं.

आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल्याण सिंह 'बाबूजी' की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल 'पद्म विभूषण' कल्याण सिंह 'बाबूजी' की जयंती के अवसर पर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बाबूजी' का कार्यकाल सुशासन, विकास और राष्ट्रवादी मिशन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सदैव स्मरण किया जाएगा। उन्होने अपने नाम को उत्तर प्रदेश के 'कल्याण' से जोड़कर निरंतर सार्थक किया। उनकी पावन स्मृतियों को नमन!

नादान परिंदे साहित्य मंच ने बच्चों को कंबल वितरित किया

वाराणसी ।नादान परिंदे साहित्य मंच के तत्वाधान में रविवार को पांचवे चरण में मातृ मंदिर कन्या गुरुकुल विद्यालय, लक्सा रामापुरा में बच्चों व जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया गया ।

ये बच्चे गुरुकुल में भारत वर्ष के अनेको प्रान्त के बच्चे यहाँ शिक्षा ग्रहण करने आते है और यही पर उनके रहने व खाने की व्यवस्था की जाती है ।

कार्यक्रम में नादान परिंदे साहित्य मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुबाष चंद्र , कोषाध्यक्ष झ झरना मुखर्जी मातृ मंदिर कन्या गुरुकुल की मुख्य संचालिका डॉ गायत्री आर्या, राजेश राय , सपन मुखर्जी , संजना वर्मा , सुरैया बानो आदि सहित अनेक लोग उपस्थित थे ।

मऊ में विकास पुरुष स्व. कल्पनाथ राय की 85वीं जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई

(जीएनएस)।

मऊ। शिल्पी पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मऊ जनपद के विकास पुरुष स्व. कल्पनाथ राय की 85वीं जयंती पूरे जिले में श्रद्धा, सम्मान और भावनात्मक वातावरण के बीच मनाई गई। इस अवसर पर जिला अस्पताल परिसर स्थित उनकी प्रतिमा सहित कोपागंज, सेमरी जमालपुर, लुदुही और पतिला में स्थापित प्रतिमाओं पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं आम नागरिकों ने माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। विभिन्न कार्यक्रमों में उनके संघर्षपूर्ण जीवन और मऊ के विकास में दिए गए ऐतिहासिक योगदान को याद किया गया।

जयंती के अवसर पर मुहम्मदाबाद गोहना स्थित वृद्धाश्रम में स्व. कल्पनाथ राय की छोटी बेटी वैष्णवी राय ने अपनी माता डॉ. सुधा राय एवं पति सत्यार्थ राय के साथ सामाजिक सेवा कार्यों की शुरूआत की। उन्होंने वृद्धजनों के बीच आवश्यक सामग्री वितरित की और भरोसा दिलाया कि वे समय–समय पर उनके बीच आकर सेवा करती रहेंगी। वृद्धाश्रम में मौजूद कई बुजुर्ग, जो स्व. कल्पनाथ राय के नाम और कार्यों से परिचित थे, उनकी बेटी को अपने बीच पाकर भावुक

नजर आए।

उल्लेखनीय है कि स्व. कल्पनाथ राय का जन्म 4 जनवरी 1941 को मऊ जिले के सेमरी जमालपुर गांव में हुआ था। उन्होंने मऊनाथ भंजन को तहसील का दर्जा दिलाया और वर्ष 1988 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के कार्यकाल में मऊ को आजमगढ़ से अलग कर स्वतंत्र जिला घोषित कराने में अहम भूमिका निभाई। मऊ में आज दिखाई देने वाला अधिकांश विकास उनके दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम माना जाता है।

उधर, कल्पनाथ राय के पैतृक आवास पर उनकी बहू डॉ. सीता राय ने पूजन–अर्चन कर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। तथा उनके नाम पर पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि आज मऊ को विकास पुरुष स्व. कल्पनाथ राय जैसे नेतृत्व की अत्यंत आवश्यकता है। भले ही वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी स्मृतियाँ सदैव जीवंत रहेंगी।

जयंती के अवसर पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, भाजपा, भाकपा, माकपा, रालोद, बसपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, अधिवक्ताओं, पत्रकारों, व्यापारियों और सामाजिक कार्यकताओं ने जनपद में स्थापित सभी प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मीडिया से बातचीत में वैष्णवी राय ने कहा कि उनके पिता राजनीति से ऊपर उठकर राजधर्म का पालन करने वाले नेता थे। उन्होंने मऊ के विकास के लिए जो कार्य किए, वे कभी भुलाए नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे ही जनसेवी नेताओं की जरूरत है, जो निस्वार्थ भाव से जनता के लिए कार्य करें। वैष्णवी राय ने यह भी कहा कि वे अपने पिता की स्मृति में सामाजिक कार्यों के माध्यम से मऊ के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी, क्योंकि उनके बिना आज भी मऊ अधूरा सा लगता है।

इस अवसर पर रालोद के प्रदेश महासचिव देव प्रकाश राय, सुरेश बहादुर सिंह, किसान नेता राकेश सिंह, घनश्याम सहाय, अश्वनी सिंह, जय प्रकाश धूमकेतु, बसंत कुमार, मुन्ना यादव, सोनू सिंह, ब्रह्मानंद पांडेय, धर्म प्रकाश यादव, रमन पांडेय, अशोक सिंह, के.के. पांडेय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ महापौर सुषमा खर्कवाल की अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई या फिर सोशल मीडिया के माध्यम से चर्चा में बने रहने का शौक

लखनऊ (जीएनएस)।

लगातार वह सोशल मीडिया पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करती दिखाई दे रही है ताकि आम नागरिक को जाम से छुटकारा मिल सके लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है

जोन एक अंतर्गत लालबाग क्षेत्र में 2 दिन पूर्व रोड को बाधित कर कार डेंट एवं पेंट करने वालों को लेकर महापौर सोशल मीडिया बहुत सख्त दिखाई दे रही थी आदेशित किया की सड़क पर यह सब नहीं चलेगा

रोड को पूरी तरह खाली करो या सब नहीं चलेगा आम नागरिक को दिक्कत नहीं होनी चाहिए

2 दिन बीतते ही सारी कार्यवाही हवा हवाई साबित होती दिखाई दे रही है वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कारे आज भी रोड पर डेंट पेंट की जा रही है बड़े–बड़े दुकानदार रोड को बाधित कर कार डेकोरेशन का काम कर रहे हैं

और आम नागरिक पूर्व की भांति जाम से जूझ रहा है

ऐसी स्थिति में महापौर की कार्रवाई में कितना दम है समझा जा सकता है

आखिर कब तक आम नागरिक को इसी तरह लॉलीपॉप दिया जाता रहेगा

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

डिजिटल संसार की स्क्रोलिंग संस्कृति के घातक दुष्परिणाम

यह मानव स्वभाव है कि हर पीढ़ी अपने बच्चों को खुद से अधिक सुविधाएं देने का प्रयास करती है। मगर ऐसा लगता है कि आज की हमारी पीढ़ी ने अपने बच्चों को पूरी दुनिया एक छोटी सी स्व्रीन में सौंप दी है। बच्चे अब पहाड़, समुद्र, युद्ध, महामारी और उत्सव सब वुछ अंगुलियों के एक स्पर्श से देख सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया को समझ भी पा रहे हैं? या फिर सिर्प देख रहे हैं, बिना याद रखे, बिना गहराई से बेड किए? इसी प्रश्न के बीच दो नई आदतें उभरकर सामने आती और स्व्रॉलिग संस्वृति, जो बच्चों की दृश्य स्मृति मानसिक सव्रियता को प्रभावित कर रही है। ह्लबेड-राटिगह्ल का अर्थ हैलंबे समय तक बिस्तर पर ही पड़े रहना और मोबाइल चलाते रहना। पढ़ाई, मोबाइल, आराम सब वुछ एक ही जगह पर यह आदत अकसर थकान उदासी के नाम पर शुरू होता है रू होती है, लेकिन धीरे-धीरे जीवनशैली बन जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब बिस्तर केवल सोने की जगह न रहकर जागने और स्व्रीन देखने का वेंद्र बन जाता है, तो दिमाग को स्पष्ट संकेत नहीं मिलते। । इसका सीधा असर नींद की गुणवत्ता और स्मृति निर्माण की प्रियिा पर पड़ता है। बच्चों के मामले में यह स्थिति और भी संवेदनशील है। उनका दिमाग अभी विकसित हो रहा होता है। विजुअल प्रोसेसिग यानी दृश्य प्रसंस्करण वह क्षमता है, जिससे बच्चा आकार, रंग, दूरी, दिशा और गति को समझता है। दृश्य स्मृति वह शत्ति है, जिससे वह देखी हुई जानकारी को याद रखता है, चाहे वह शब्दों का रूप हो, किसी का चेहरा हो या रास्ते की पहचान। इन क्षमताओं का विकास केवल किताबों या स्व्रीन से नहीं होता, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुभवों से होता है, जैसे खुली जगह, खेल, दौड़ना, चेहरे पढ़ना, , और वस्तुओं को छूकर समझना आदि। लगातार बिस्तर पर रहकर एक सीमित दूरी से स्व्रीन देखना दृश्य अनुभव को संवुचित कर देता है। ऐसे में बच्चा तेज, चमकीली और लगातार बदलती तस्वीरों का आदी हो जाता है। तंत्रिका तंत्र विज्ञान से जुड़े शोध बताते हैं कि इस तरह के एकरूप दृश्य अनुभव से मस्तिष्क के ध्यान वेंद्रित करने की क्षमता और दृश्य विशेष कौशल कमजोर हो सकता है। इसका असर आगे चलकर पढ़ने-लिखने और समझने की क्षमता पर भी दिखता है। इसी सीमित दृश्य संसार में प्रवेश करती है ह्लडूम स्व्रॉलिगह्ल यानी नकारात्मक, डराने वाली और संकट से भरी सूचनाओं को बिना रुके देखते जाना महामारी, युद्ध, अपराध और आपदाओं की लगातार तस्वीरें बच्चों और किशोरों के मन में यह भावना बैठा देती हैं कि दुनिया असुरक्षित और भयावह है। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार, इस तरह की आदत चिता, अवसाद और मानसिक थकान बढ़ाती है। चिंतित दिमाग न तो ध्यान वेंद्रित कर पाता है और न ही नई जानकारी को ठीक से याद रख पाता है। इसके विपरीत हाल के वर्षों में ह्लब्लूम-स्व्रॉलिगह्ल की अवधारणा सामने आई है, यानी सकारात्मक, प्रेरक और ज्ञानवर्धक सामग्री को चुनकर देखना सही तरीके से अपनाया जाए, तो यह बच्चों में जिज्ञासा, आशावाद और रचनात्मक सोच को बढ़ा सकता है। लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश डिजिटल मंच बच्चों को सोच-समझकर चुनने की बजाय लगातार सॉल करते रहने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

भारत के कुल सिरेमिक निर्यात में 90% हिस्सेदारी के साथ मोरबी बना भारत की 'सिरेमिक राजधानी'

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ सौराष्ट्र में मोरबी सिरेमिक क्लस्टर को विशेष जोन के रूप में पेश किया जाएगा

9 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार देता है मोरबी का सिरेमिक उद्योग

पॉलीपैक इंडस्ट्रीज के क्षेत्र में भी मोरबी बन सकता है गुजरात का अग्रणी जिला

गांधीनगर, 05 जनवरी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में गुजरात वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ-सौराष्ट्र के दूसरे संस्करण के लिए तैयार हो रहा है। 11 एवं 12 जनवरी, 2026 के दौरान राजकोट में होने वाली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस कच्छ एवं सौराष्ट्र के हिस्से के रूप में राज्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सिरेमिक उद्योग का अगुवा, गुजरात का मोरबी जिला आज भारत की सिरेमिक अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ बन गया है। गुजरात के कुल सिरेमिक उत्पादन में अकेले लगभग 90 फीसदी हिस्सेदारी के साथ मोरबी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सिरेमिक उत्पादन केंद्र है।

कुम्हार के चाक से वैश्विक सिरेमिक हब तक : मोरबी की उद्योग गाथा

मोरबी आज देश और दुनिया में सिरेमिक उद्योग का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। शुरूआत में यहां पारंपरिक तरीके से मिट्टी के मटके, दीये, खपरैल और घरेलू मिट्टी के बर्तन बनाए जाते थे। स्थानीय मिट्टी की गुणवत्ता और कारीगरों की कुशलता ने मोरबी के उत्पादों को एक नई पहचान दी। बाद में, वॉल क्लॉक (दीवार घड़ी) उद्योग की शुरूआत हुई।

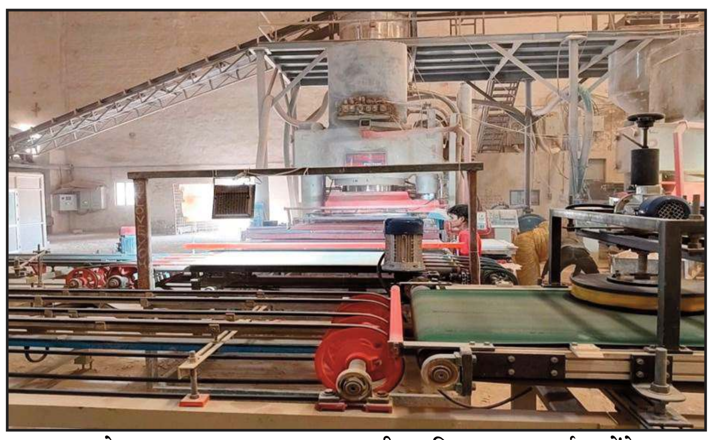

समय के साथ-साथ, 1970-80 के दशक में रूफ टाइल्स और ग्लेज्ड टाइल्स का उत्पादन शुरू हुआ और धीरे-धीरे मोरबी आधुनिक सिरेमिक उद्योग की दिशा में आगे बढ़ा। नई टेक्नोलॉजी, उन्नत मशीनरी और उद्यमिता के दृष्टिकोण ने इस शहर को सिरेमिक उद्योग के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दी। आज मोरबी फ्लोर टाइल्स, वॉल टाइल्स और विट्रिफाइड टाइल्स के उत्पादन के लिए वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध है। मोरबी का सिरेमिक सफर परंपरा से प्रगति की ओर बढ़ने का बेजोड़ उदाहरण बन गया है।

गुजरात का मोरबी जिला बना भारत का सिरेमिक हब

इस वर्ष राजकोट में आयोजित होने वाली दूसरी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ-सौराष्ट्र में मोरबी के सिरेमिक क्लस्टर की एक विशेष प्रदर्शनी होगी, जिसमें 'अद्यतन सिरेमिक्स', 'वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स', 'एनर्जी-एफिशिएंट टेक्नोलॉजी' और नए 'सिरेमिक पार्क' की प्रगति मुख्य आकर्षण होंगे। राज्य सरकार उद्योगों के लिए टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन, ऑटोमेशन, रिन्यूएबल एनर्जी, वेस्ट रिसाइकिलिंग और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। मोरबी के उद्यमियों के परिश्रम, सरकार की प्रभावी नीतियों और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता के कारण आज मोरबी भारत की 'सिरेमिक राजधानी' बन गया है।

मोरबी का सिरेमिक उद्योग लगभग 9 लाख लोगों को देता है रोजगार

मोरबी जिले का सिरेमिक क्लस्टर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सिरेमिक उत्पादों का उत्पादन करने वाला क्लस्टर है। मोरबी जिले में लगभग 1200 सिरेमिक इकाइयां हैं, जिनका कुल सालाना उत्पादन लगभग 60 लाख टन है। ये इकाइयां करीब 9 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान करती हैं।

गत दो वर्षों के दौरान लाभार्थियों को मिला विभिन्न सरकारी सहायता योजना का लाभ

मोरबी जिले में गत दो वर्षों के दौरान राज्य सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी सहायता योजनाओं के तहत व्यापक और प्रभावी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जो जिले के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम सिद्ध हो रही है। राज्य सरकार की विभिन्न औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान लगभग 2200 से अधिक लाभार्थियों को सीधे 115 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता पहुंचाई गई है। इस सहायता से मोरबी जिले के नागरिकों को स्वरोजगार, उद्योग, जीवन स्तर में सुधार और आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ने के नए अवसर मिले हैं, जो राज्य सरकार की जनकल्याण की प्रतिबद्धता और सर्वांगीण विकास के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करता है।

भारत के कुल सिरेमिक निर्यात में लगभग 80 से 90 फीसदी का योगदान

मोरबी का सिरेमिक उद्योग वैश्विक बाजार में गुजरात तथा भारत की मजबूत पहचान बन रहा है। अनुमान के मुताबिक वर्ष 2024-25 के दौरान मोरबी से लगभग 15,000 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ। खास बात यह है कि अकेला मोरबी भारत के कुल सिरेमिक निर्यात में 80 से 90 फीसदी का योगदान देता है। यहां बनाए जाने वाले उच्च गुणवत्ता के सिरेमिक टाइल्स और संबंधित उत्पादों को मुख्य रूप से अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ओमान और श्रीलंका जैसे देशों में निर्यात किया जाता है, जो मोरबी की वैश्विक विश्वसनीयता और 'मेड इन इंडिया-मेड इन गुजरात' ब्रांड की मजबूत स्थिति को साफ तौर पर उजागर करता है।

पॉलीपैक उद्योग के क्षेत्र में भी मोरबी बन सकता है राज्य का अग्रणी जिला

गुजरात का मोरबी जिला सिरामिक क्षेत्र की तरह ही पॉलीपैक उद्योग के क्षेत्र में भी निकट भविष्य में राज्य का एक अग्रणी जिला बन सकता है। अभी मोरबी जिले में पीपी (पॉलीप्रोपाइलिन) वूवन प्रोडक्ट की कुल 150 इकाइयां कार्यरत हैं। मोरबी का पॉलीपैक उद्योग अभी सालाना लगभग 5 लाख मीट्रिक टन पीपी वूवन फैब्रिक का उत्पादन करता है, जिसका कुल सालाना टर्नओवर लगभग 5500 करोड़ रुपए है। पॉलीपैक उद्योग आज मोरबी के लगभग 25 से 20 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है।

भारत के वॉल क्लॉक उत्पादन में मोरबी जिले की बड़ी हिस्सेदारी

सिरेमिक तथा पॉलीपैक के जैसे ही वॉल क्लॉक और गिफ्ट आर्टिकल उद्योग भी मोरबी में बड़े पैमाने पर विकसित हुआ है। भारत के वॉल क्लॉक उत्पादन में मोरबी जिले के वॉल क्लॉक तथा गिफ्ट आर्टिकल उद्योग की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। मोरबी जिले में वॉल क्लॉक की लगभग 150 से 200 इकाइयां हैं। ये उद्योग करीब 10 से 12 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार प्रदान करते हैं, जिनमें से 60 फीसदी महिलाएं हैं।

खाटू श्याम पर लॉरेंस बिश्नोई की नजर! कोषाध्यक्ष के बेटे से ₹3 करोड़ की रंगदारी मांगी

(जीएनएस)।

दुनियाभर में श्याम भक्तों की गहरी आस्था से जुड़े खाटू श्यामजी मंदिर ट्रस्ट पर अब खतरनाक लॉरेंस बिश्नोई गैंग की नजर है। इस मंदिर को देश-दुनिया के भक्तों से चढ़ावा और दान मिलता है। मंदिर के पूर्व कोषाध्यक्ष के बेटे को इंटरनेशनल नंबर से धमकी भरा कॉल आया है। कुख्यात गैंग के नाम पर रंगदारी की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। खाटू श्याम मंदिर समिति के पूर्व कोषाध्यक्ष कालू सिंह के पुत्र मानवेंद्र सिंह चौहान ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि रंगदारी की कॉल करनेवाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया और तीन करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। इतना ही नहीं यह भी धमकी दी है कि अगर समय पर पैसे नहीं दिए, तो खतरनाक अंजाम भुगतना पड़ सकता है। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार दहशत में है।

पीड़ित का कहना है कि कॉलर का लहजा और अंदाज बेहद आक्रामक था। उसने खुद को खतरनाक गैंग से जुड़ा हुआ बताया और परिवार के सदस्यों की डिटेल भी शेयर की। पीड़ित का कहना है कि कॉलर ने परिवार के सदस्यों की रुटीन और आने-जाने की डिटेल की निगरानी की भी बात कही थी। बदमाश ने धमकी देते हुए कहा कि उसकी बात को हल्के में न ले। वह पहले भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दे चुका है।

- पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, बीते एक साल में सीकर जिले में 10 से ज्यादा लोगों को इसी तरह की रंगदारी की धमकियां मिल चुकी हैं।

- अधिकतर मामलों में बदमाश विदेशी नंबरों या सोशल मीडिया ऐप्स के जरिए खुद को बड़े गैंग से जुड़ा बताकर डराने की कोशिश करते हैं।

- पुलिस का मानना है कि कई मामलों में यह साइबर अपराधी या स्थानीय बदमाश हो सकते हैं। शरारत के लिए कुख्यात गैंग के नाम का इस्तेमाल कर लोगों को भयभीत करने की कोशिश भी हो सकती है। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच में जुटी

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हमने केस दर्ज कर लिया है और मामले की पड़ताल चल रही है। तकनीकी साक्ष्य और संभावित नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की धमकी भरी कॉल या संदिग्ध संदेश मिलने पर घबराएं नहीं। ऐसी किसी भी कॉल पर साइबर सेल और पुलिस को सूचना दें। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि धमकी देने वाला व्यक्ति वास्तव में किसी गैंग से जुड़ा है या सिर्फ नाम का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

1 फरवरी को नहीं पेश होगा इस बार का बजट? डेट को लेकर सस्पेंस?

(जीएनएस)।

वित्त वर्ष 2026-27 के आगामी आम बजट को लेकर देशभर में चचाएं तेज हो गई हैं। इस बार उत्सुकता केवल नई योजनाओं को लेकर नहीं, बल्कि बजट (वल्लङ्गल्ल इ४ौ३ 2026) पेश होने की तारीख को लेकर भी है। दरअसल, साल 2026 में 1 फरवरी को रविवार पड़ रहा है, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है।

सवाल ये है कि क्या संसद की कार्यवाही छुट्टी के दिन होगी या इसे 2 फरवरी, सोमवार के लिए टाला जाएगा? इसके अलावा, उसी दिन गुरु रविदास जयंती भी है, जो दिल्ली सहित कई राज्यों में एक प्रतिबंधित अवकाश है। इससे जुड़े तमाम सवालों के जवाब हम आपके लिए लेकर आए हैं।

1 फरवरी की तारीख पर क्यों बना है संशय?

भारत में बजट पेश करने की परंपरा में 2017 में बड़ा बदलाव आया था। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बजट को फरवरी के अंत के बजाय 1 फरवरी को पेश करने की शुरूआत की थी। इस बार 1 फरवरी 2026 को रविवार होने के कारण दो संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है:

संडे बजटः संसदीय परंपराओं के अनुसार, विशेष परिस्थितियों में संसद की बैठक रविवार को बुलाई जा सकती है। 1999 में यशवंत सिन्हा ने रविवार (28 फरवरी) को बजट पेश किया था।

2 फरवरी का विकल्पः यदि कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंट्री अफेयर्स (CCPA) फैसला लेती है, तो इसे सोमवार तक के लिए बढ़ाया जा सकता है।

बजट 2026 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। यदि वह इस बार बजट पेश करती हैं, तो वे लगातार 9 बार बजट पेश करने वाली देश की पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी।

मोरारजी देसाई का रिकॉर्डः पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने कुल 10 बार बजट पेश किया था, लेकिन उन्होंने यह दो अलग-अलग कार्यकालों (1959-64 और 1967-69) में किया था।

लगातार बजटः निर्मला सीतारमण अब तक लगातार 8 बजट (एक अंतरिम सहित) पेश कर चुकी हैं। इस साल का बजट उन्हें पी. चिदंबरम (9 बजट) और प्रणब मुखर्जी (8 बजट) जैसे दिग्गजों की फेहरिस्त में सबसे ऊपर ले आएगा।

छुट्टी के दिन बजट, क्या कहता है इतिहास?

वीके ंड पर बजट पेश करना केंद्र सरकार के लिए नई बात नहीं है। मोदी सरकार ने पहले भी कई बार छुट्टी या शनिवार के दिन बजट पेश कर अपनी प्रतिबद्धता जताई हैः

2025 का बजटः शनिवार को पेश किया गया था।

2015 और 2016 का बजटः अरुण जेटली ने शनिवार, 28 फरवरी 2015 और 29 फरवरी 2016 को पेश किया था।

ब्रिटिश काल की परंपराः जानकारों के अनुसार, रविवार को सदन की कार्यवाही चलाने की जड़ें ब्रिटिश काल से जुड़ी हैं, इसलिए तकनीकी रूप से इसमें कोई बाधा नहीं है।

बजट 2026 से क्या हैं बड़ी उम्मीदें?

यह मोदी सरकार 3.0 का दूसरा पूर्ण बजट होगा, इसलिए बाजार और आम जनता की नजरें कई अहम मुद्दों पर टिकी हैं:

महिला सशक्तिकरणः जन धन खातों के जरिए महिलाओं को अधिक ऋण (Credit) और बीमा सुविधा देने की योजना।

इनकम टैक्सः मध्यम वर्ग को टैक्स स्लैब में बदलाव या छूट की उम्मीद।

ग्रामीण विकासः कृषि और स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के लिए विशेष आवंटन।

आधिकारिक घोषणा का इंतजार

संसद के बजट सत्र की तारीखों का औपचारिक ऐलान जल्द ही किया जाएगा। वित्त मंत्रालय में 'हलवा समारोह' के साथ बजट की छपाई की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके बाद ही अंतिम तारीख पर आधिकारिक मुहर लगेगी। फिलहाल, सरकार की सभी तैयारियां 1 फरवरी की समयसीमा को ध्यान में रखकर ही की जा रही हैं।

पटना में रोड पर थूकने वाले देंगे जुमार्ना, चौराहे पर लगेगी फोटो, पेशाब करने पर भी एक्शन

(जीएनएस)। अगर आप बिहार पटना में रहते हैं या यहां आते-जाते हैं, तो अब यह खबर आपके लिए जरूरी है। सड़क पर पान-गुटखा खाकर थूकना या सार्वजनिक जगहों पर पेशाब करना अब मामूली बात नहीं रही। नीतीश सरकार और पटना नगर निगम ने मिलकर ऐसे लोगों के लिए ऐसा "इलाज" तय किया है, जिसे सुनकर ही कई लोग संभल जाएंगे। जुमार्ना भी लगेगा और इज्जत भी दांव पर होगी।

पटना को साफ-सुथरा और रहने लायक शहर बनाने की दिशा में पटना नगर निगम ने सख्त फैसला लिया है। सड़क, फ्लाईओवर, चौराहा या कोई भी सार्वजनिक जगह हो, अगर कोई थूकते या गंदगी फैलाते पकड़ा गया, तो तुरंत कार्रवाई होगी। इस फैसले का मकसद पटना को सिंगापुर जैसे स्वच्छ शहर की दिशा में आगे बढ़ाना है।

ढं३ल्लं रख्र३३ल्लॅ फ्ं४ी

पटना में थूकते पकड़े गए तो 500 रुपये जुमार्ना, फोटो होगी सार्वजनिक

नगर आयुक्त सह पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक यशपाल मीणा के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अब अगर कोई व्यक्ति खुले में पान, गुटखा या तंबाकू खाकर थूकते हुए पकड़ा गया, तो उससे मौके पर ही 500 रुपये का जुमार्ना वसूला जाएगा।

इतना ही नहीं, ऐसे व्यक्ति की तस्वीर शहर के प्रमुख चौराहों पर लगी वैरिएबल मैसेज डिस्प्ले (श्टऊ) स्क्रीन पर दिखाई जाएगी। यानी अब गंदगी फैलाने वालों को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ेगा। नगर निगम ने ऐसे लोगों को सीधे तौर पर "नगर शत्रु" यानी शहर का दुश्मन घोषित किया है।

पेशाब करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई

सिर्फ थूकने वालों पर ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब करने वालों पर भी अब शिकंजा कसा जाएगा। नगर निगम की प्रवर्तन टीमों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि खुले में पेशाब करते पाए जाने पर तुरंत जुमार्ना लगाया जाए।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की हरकतों से शहर के कई इलाके रेड स्पॉट बन चुके हैं, जिससे न सिर्फ गंदगी बढ़ती है, बल्कि आम लोगों की सेहत पर भी असर पड़ता है।

3300 CCTV कैमरों से 24 घंटे नजर

इस पूरे अभियान की रीढ़ है पटना स्मार्ट सिटी का इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC)Ü शहर के करीब 415 स्थानों पर 3300 से ज्यादा CCTV कैमरे लगाए गए हैं, जो 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं।

इन कैमरों के जरिए थूकने, कूड़ा फैलाने या सार्वजनिक स्थानों को गंदा करने वालों की पहचान की जाएगी। कIउउ से सीधे निर्देश देकर ऐसे "नगर शत्रुओं" की तस्वीरें श्टऊ स्क्रीन पर चलवाई जाएंगी।

सब-वे में कार्रवाई, 250 लोगों से वसूला गया जुमार्ना

नगर निगम की सख्ती सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं है। हाल ही में मल्टी मॉडल हब से पटना जंक्शन को जोड़ने वाली अंडरग्राउंड सब-वे में विशेष अभियान चलाया गया।

इस दौरान खुले में थूकने के मामले में करीब 250 लोगों से जुमार्ना वसूला गया। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज किया जाएगा, ताकि लोग आदत सुधारें और शहर साफ रहे।

बांग्लादेश में इस पार्टी की बन सकती है सरकार, ओपिनियन पोल से बढ़ी यूनुस की टेंशन

(जीएनएस)।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले 13वें आम चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी चरम पर है। कड़ाके की ठंड के बीच जारी ताजा ओपिनियन पोल ने देश के राजनीतिक भविष्य की एक स्पष्ट तस्वीर पेश की है। सर्वे के चौंकाने वाले नतीजों के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग के पतन के बाद अब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करती दिख रही है।

करीब 70 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन हासिल कर इठढ ने अपने प्रतिद्वंद्वी जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ दिया है। यह चुनाव न केवल बांग्लादेश, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की भू-राजनीति के लिए निर्णायक साबित होने वाला है।

एमिनेंस एसोसिएट्स द्वारा कराए गए मेगा सर्वे ने सत्ता के गलियारों में हलचल मचा दी है। देश के सभी 300 संसदीय क्षेत्रों में हुए इस पोल के मुताबिक, 70 प्रतिशत जनता इठढ के साथ खड़ी है, जबकि कट्टरपंथी विचारधारा वाली जमात-ए-इस्लामी मात्र 19 प्रतिशत पर सिमटती दिख रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि आवामी लीग के पारंपरिक वोट बैंक में भी बड़ी सेंध लगी है। उनके 60 प्रतिशत पुराने समर्थक अब इठढ की ओर रुख कर चुके हैं, जो पार्टी की ऐतिहासिक जीत का संकेत है।

तारिक रहमान की ताजपोशी और चुनावी शंखनाद

पार्टी के कार्यवाहक नेता तारिक रहमान के लिए यह समय संजीवनी जैसा है। ओपिनियन पोल के सकारात्मक रुझानों के बीच BNP उन्हें औपचारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की तैयारी पूरी कर चुकी है। महासचिव फखरुल इस्लाम आलमगीर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही इसकी घोषणा होगी। राजनीतिक विरासत को संभालते हुए तारिक रहमान अपना चुनावी अभियान सिलहट से शुरू करेंगे, जो उनकी मां खालिदा जिया का पारंपरिक गढ़ रहा है। इस कदम को समर्थकों को एकजुट करने के भावनात्मक कार्ड के रूप में देखा जा रहा है।

अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार को उखाड़ फेंकने वाले छात्र आंदोलन से भारी उम्मीदें थीं, लेकिन चुनावी मैदान में वे फीकी पड़ती दिख रही हैं। आंदोलन से निकली 'नेशनल सिटिजन्स पार्टी' (NCP) को सर्वे में मात्र 2.6 प्रतिशत लोगों का साथ मिला है। यह नतीजे बताते हैं कि सड़कों पर दिखने वाला जन-आक्रोश हमेशा स्थायी राजनीतिक समर्थन में नहीं बदलता। बांग्लादेश की जनता फिलहाल नए प्रयोगों के बजाय स्थापित और अनुभवी नेतृत्व (BNP) पर अधिक भरोसा जताती नजर आ रही है।

बांग्लादेश का यह चुनाव केवल घरेलू बदलाव नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का भी मामला है। शेख हसीना के भारत के साथ करीबी रिश्तों के बाद, अब इठढ की संभावित वापसी नई दिल्ली और बीजिंग दोनों के लिए कूटनीतिक चुनौतियां और अवसर लेकर आएगी। आवामी लीग के बिखराव और जमात-ए-इस्लामी की सीमित बढ़त के बीच, 12 फरवरी को होने वाला मतदान यह तय करेगा कि बांग्लादेश लोकतंत्र की राह पर आगे बढ़ेगा या धार्मिक कट्टरवाद और राजनीतिक अस्थिरता के एक नए दौर में प्रवेश करेगा।

माघ मेला में अवैध रूप से टेंट लगाने वालों को हटाने के निर्देश

प्रयागराज, माघ मेला में अवैध रूप से टेंट लगाकर रहने वाले को चिन्हित कर उन्हें तत्काल हटाने के निर्देश पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को दिए गए हैं। इसके साथ ही सड़क की पटरियों पर अवैध रूप से लगाई गईं दुकानों को भी फौरन हटाने को निर्देशित किया गया है।प्रयागराज पर्यटन जानकारी

माघ मेला 2026 के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के पश्चात रविवार को मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल द्वारा मेला क्षेत्र में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई, जिसमें प्रथम स्नान के दौरान आई कठिनाइयों एवं उनके निराकरण के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली गई।

बैठक में मेला क्षेत्र में नल, विद्युत, शौचालय एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में जहां-जहां सुधार की आवश्यकता है, उन्हें अतिशीघ्र कराने के निर्देश देते हुए मंडलायुक्त ने पूरे मेला क्षेत्र में स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश दिए।

सभी शौचालयों को नियमित रूप से साफ रखने तथा ओडर मैनेजमेंट एवं सफाई व्यवस्था के लिए सफाई कर्मियों की 24 घंटे तैनाती के लिए निर्देशित किया।

बैठक में मेला क्षेत्र में जल निगम द्वारा की गई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। जल निगम के मुख्य अभियंता संजय कुमार गौतम ने बताया कि मेला क्षेत्र में 23 स्थानों पर अतिरिक्त फायर हाइड्रेंट को ट्यूबवेल से जोड़कर लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से आपातकालीन स्थिति में फायर टेंडर वाहनों को मात्र 12 मिनट में ही भरा जा सकेगा। इससे किसी भी आगजनी की स्थिति में त्वरित कार्यवाही होगी।

मंडलायुक्त ने मेला क्षेत्र में अवैध रूप से टेंट लगाकर रह रहे व्यक्तियों को तत्काल हटाने तथा सड़कों पर अवैध तरीके से लगाई जा रही दुकानों को हटाने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक के उपरांत उन्होंने संगम नोज एवं मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण भी किया।सुरक्षा उपकरण बिक्री

मेला में ढाई हजार अवैध पटरी दुकानदारों को प्रशासन का नोटिस

मेला क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों में सड़क के किनारे स्थित अवैध दुकानों को हटाने के लिए दुकानदारों को नोटिस दिया जा रहा है। लगभग ढाई हजार दुकानदारों को नोटिस भेजकर 24 घंटे में दुकानें हटाने को कहा गया है।

मऊआइमा गोलीकांड में नया मोड़, गोली लगने से घायल युवक के पिता, बहन और भांजी गायब

प्रयागराज, गंगापार के मऊआइमा थाना क्षेत्र के बिसानी उर्फ शिकोहाबाद मजरा लोकापुर गांव में जमीन के विवाद में युवक को गोली मारने के मामले में नया मोड़ आ गया है। अब युवक के पिता, बहन और भांजी रहस्यमय ढंग से गायब हो गई हैं। घर के भीतर खून से सनी शाल पुलिस को मिली है। तीनों की गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस रेलवे लाइन, खेतों समेत अन्य जगहों पर उनकी तलाश कर रही है। डाग स्क्वायड के साथ ही ड्रोन कैमरे की भी मदद ली जा रही है।प्रयागराज पर्यटन जानकारी

हरिसेनगंज प्रतिनिधि के अनुसार मऊआइमा थानांतर्गत बिसानी उर्फ शिकोहाबाद मजरा लोकापुर गांव निवासी राम सिंह के दो पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। राम सिंह ने अपने छोटे पुत्र मुकुंद लाल को चार बीघा से अधिक जमीन का दान पत्र बैनामा कर दिया था। इसे लेकर बड़ा पुत्र मुकेश आक्रोशित हो गया था। कई बार वह इसे लेकर विवाद भी कर चुका था। वह मुकुंद लाल से जमीन बांटने की बात कहता था।

शनिवार दोपहर मुकुंद लाल गांव स्थित किराने की दुकान पर बाइक लेकर कुछ सामान खरीदने गया था। वहां से वापस घर लौटते समय रास्ते में मुकेश ने उसे गोली मार दी थी। संयोग ही था कि गोली उसे नहीं लगी। गर्दन के बगल से निकल गई, लेकिन कुछ छर्रे जरूर मुकुंद को लग गए थे। पुलिस ने मुकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में लग गई।

शाम को मुकुंद लाल ने पुलिस को बताया कि गुरुवार व शुक्रवार को वह करनाईपुर में था। वहां वह शटरिंग का काम कर रहा है। शनिवार सुबह जब अपने घर पहुंचा तो दरवाजे पर ताला लगा था। इसके बाद उसके साथ घटना हो गई। उसके पिता राम सिंह, बहन साधना व भांजी आस्था का पता नहीं है। इसके बाद पुलिस गांव पहुंची। दरवाजे पर लगे ताले तो तोड़कर भीतर दाखिल हुई तो साधना का खून से सना शाल पड़ा था। यह देखकर पुलिस हतप्रभ रह गई।

आसपास के लोगों से पूछा तो बताया गया कि शुक्रवार रात मुकेश अपने पिता व बहन से झगड़ा कर रहा था। चीख-पुकार की आवाज आ रही थी। कुछ देर बाद सन्नाटा हो गया था। सुबह जब वह सोकर उठे तो राम सिंह के घर के दरवाजे पर ताला लगा था। मुकुंद लाल ने पुलिस को तहरीर देते हुए तीनों के साथ अनहोनी की आशंका जताई, जिस पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई।सुरक्षा उपकरण बिक्री

रविवार सुबह फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। डाग स्क्वायड रेलवे लाइन के बगल बने बाईपास पुल तक जाकर रुक गया। इसके बाद पुलिस ने रेलवे लाइन व आसपास के खेतों में तीनों की तलाश शुरू की।

गजब...14 लाख की ज्वैलरी 14 मिनट में उड़ाई

प्रयागराज, नगर के एक नामचीन ज्वैलरी शोरूम में चार लेडी ज्वैल थीफ ने 14 मिनट में 14 लाख की ज्वैलरी उड़ा दी। सेल्समैन सामने खड़ा रहा और उसे भनक तक नहीं लगी। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है। फिलहाल पुलिस एफआईआर दर्ज कर महिलाओं की तलाश में जुटी है।

बच्चा भी लेकर पहुंची थीं ताकि शक न होसुरक्षा उपकरण बिक्री

चारों महिलाएं एक बच्चा भी लेकर पहुंची थीं और माना जा रहा है कि ऐसा उन्होंने इसीलिए किया कि किसी को उन पर शक न हो। घटना सिविल लाइंस में सरदार पटेल मार्ग पर कल्याण ज्वैलर्स शोरूम में 31 दिसंबर को हुई। इस मामले में मैनेजर की ओर से सिविल लाइंस थाने में चार अज्ञात महिलाओं पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पूरी घटना फुटेज में कैद

सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि महिलाओं ने बेहद शातिर तरीके से सेल काउंटर पर खड़े सेल्समैन को चकमा देकर गहने उड़ाए। महिलाएं शाम 4रू16 मिनट पर शोरूम में दाखिल हुईं। एक महिला ने काउंटर पर खड़े सेल्समैन को ज्वैलरी दिखाने के बहाने अपनी बातों में उलझाया। जबकि उसकी तीन साथी महिलाएं दूसरे काउंटर पर जाकर बैठ गईं।

शॉल के नीचे छिपाया गहनों वाला पैड

कुछ देर बाद ही दूसरे काउंटर पर खड़ी महिलाओं में से बीच की सीट पर बैठी हरे रंग की साड़ी पहने हुए महिला अपनी सीट से उठती है। इसके बाद वह इधर उधर देखती है और अगले ही पल काउंटर में रखी ईयर रिंग डिस्प्ले पैड उठा लेती है जिस पर कुल 12 जोड़ी ईयर रिंग होती हैं। इसके बाद वह तेजी से ईयर रिंग का डिस्प्ले पैड अपने बाएं तरफ बैठी दूसरी महिला को थमा देती है जो इसे अपने शॉल के नीचे छिपा लेती है।

एक ने सेल्समैन को बातों में उलझाए रखा

उधर तीनों की चौथी साथी महिला दूसरे काउंटर पर सेल्समैन को अपनी बातों में उलझाए रहती है। करीब छह मिनट बाद यानी 4रू30 मिनट पर चारों महिलाएं डिस्प्ले पैड समेत ईयर रिंग लेकर शोरूम से बाहर निकल जाती हैं। बड़ी बात यह है कि शोरूम में चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगे होने और सामने सेल्समैन के खड़े होने के बावजूद बहुत ही सफाई से गहने उड़ाकर चारों महिलाएं चंपत हो जाती हैं।

मैनेजर बोले- 12 जोड़ी ईयर रिंग चोरी हुई

इस मामले में शोरूम के मैनेजर शहान खान ने सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया है कि कल्याण ज्वैलर्स की फ्रेंचाइजी अनंत ज्वैलर्स के पास है और इसमें वह मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। बताया कि 31 दिसंबर को यह घटना हुई। जो पैड चोरी हुआ, उसमें कुल 12 जोड़ी ईयर रिंग थीं।

पुलिस खंगाल रही फुटेज

सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। शोरूम के सीसीटीवी के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। तलाश की जा रही है।

माघ मेले में 'कला संगम' का भव्य आगाज, मालिनी अवस्थी के भजनों से भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

प्रयागराज, माघ मेला केवल आस्था का आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन परम्परा, सांस्कृतिक विविधता और प्रशासनिक दक्षता का सजीव उदाहरण है। इसी की झलक देखने को मिल रही है माघ मेला क्षेत्र में कला संगम कार्यक्रम में जिसका आगाज शनिवार से हो गया। उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग की तरफ से इसका आयोजन हो रहा है।प्रयागराज पर्यटन जानकारी

लोक कला की प्रस्तुतियों से गुलजार हुआ माघ मेला

प्रयागराज के संगम तट पर शुरू हुए माघ मेले में भारतीय संस्कृति और कलाओं का भी संगम हो रहा है। मेला क्षेत्र के परेड ग्राउंड में रविवार से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की शुरूआत हो गई है। कार्यक्रम के पहले दिन का प्रथम कार्यक्रम उदय चन्द्र परदेशी एवं टीम द्वारा देवी लोकगीत की प्रस्तुति से हुआ। लोक गायिका मालिनी अवस्थी के भजनों की प्रस्तुति से श्रोता भाव विभोर हो गए।

कार्यक्रम में वाराणसी से आए राम जनम की टीम का शंख वादन ने भी लोगों को रोमांचित किया। संगीता मिश्रा ने लोक गायन में अपनी प्रस्तुति दी तो वहीं लखनऊ से आए वरुण मिश्रा की शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति का भी श्रोताओं ने रसास्वादन किया। लोक नृत्य और शास्त्रीय नृत्यों का भी पहले दिन संगम देखने को मिला। कीर्ति श्रीवास्तव के लोक नृत्य डेढ़इया और नीता जोशी के कथक नृत्य की जबरदस्त जुगलबंदी देखने को मिली। कार्यक्रम का संचालन आभा मधुर ने किया।

120 से अधिक लोक और शास्त्रीय कलाकार 20 दिन देंगे प्रस्तुतियां

कला संगम के पहले दिन दिन कुल 6 प्रस्तुतियां हुई । माघ मेला अधिकारी ऋषिराज का कहना है कि मेला क्षेत्र में 4 जनवरी से 30 जनवरी तक इनकी प्रस्तुतियां होंगे। इस आयोजन में 120 से अधिक लोक एवं शास्त्रीय कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस 20 दिवसीय आयोजन को उत्तर प्रदेश का संस्कृति विभाग आयोजित कर रहा है।

नेत्र शिविर में 204 की जांच, 43 मोतियाबिंद मरीजों का होगा ऑपरेशन

वाराणसी। इण्डियन रेडक्रॉस सोसाइटी एवं सिंधी समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा आरजे शंकरा आई हॉस्पिटल के सहयोग से ईश्वरी देवी एवं लक्ष्मण दास बालानी की पुण्य स्मृति में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन सोनिया स्थित अमरनगर कुटिया में किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' तथा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी रमेश लालवानी थे। संयोजक जय प्रकाश बालानी एवं डॉ. संजय राय ने बताया कि विशेषज्ञ टीम द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया। जिसमें 204 लोगों का नेत्र परीक्षण हुआ। 43 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। जिन्हें निःशुल्क ऑपरेशन हेतु आर जे शंकरा आई हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अन्य मरीजों को नेत्र परीक्षण के बाद चश्मे का नंबर दिया गया। जिन्हें बाद में निःशुल्क चश्मा वितरित किया जाएगा। संयोजन में जेपी बालानी, सुरेश तुलस्यान, वेदमूर्ति शास्त्री, रोहित बलानी, विजय शाह, राम गोपाल त्रिपाठी, पंकज भागचंदानी, अवंतिका विश्वकर्मा, शाश्वत नागवानी, नितिन त्रिपाठी, सतीश छाबड़ा, हेमंत केशवानी, पवन भाटिया, जय लालवानी, सागर लालवानी आदि थे।

भागवत कथा हमें जन्म मरण से मुक्ति दिलाता है- साध्वी प्रेमलता

वाराणसी। गणेश मंदिर परिसर (मांडवी तालाब) मंडुवाडीह में ज्योतिषाचार्य एवं कर्मकांड विद्वान डॉक्टर अनुपम शुक्ला मुन्ना गुरुजी के आचार्यतव में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ रविवार को हुआ।

पहले दिन कथा का अमृत पान कराते हुए कथा वाचिका साध्वी प्रेमलता जी कथा का अमृतपान कराते हुए हुए कहा कि श्रीमद् भागवत की कथा हमें जन्म मरण के बंधन से मुक्ति दिलाता है। कथा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रह्मा जी के पुत्र कर्दम थे। जिन्होंने अपने तपस्या के द्वारा भगवान को कपिल के रूप में प्राप्त किया। माता देवहूति कर्दम की धर्मपत्नी हैं, मनु-सतरूपा की पुत्री हैं। जहाँ संयम होता है, जहाँ त्याग होता है जहाँ ब्रह्मचर्य होता है जहाँ ईश्वर की उपासना होती है वहाँ ईश्वर पुत्र के रूप में प्रकट होता है। जिसके जीवन में भगवान की उपासना होती है, उसे भोग, ऐश्वर्य और अंत में भगवान की भी होती है, सब कुछ प्राप्त होता है। माता पिता के तपस्या से श्रेष्ठ संतानों की प्राप्ति होती है। वही धर्म परायण होते हैं, धर्म रक्षक होते हैं। भगवान कपिल जी ने माता देवहूति को ज्ञान दिया। ज्ञान दिया कि धन, बंधु, भोग में आसक्त हुआ मन बंधन का हेतु होता है ईश्वर में लगा मन मुक्ति का कारण है। माता देवहूति ने कहा मुझे संसार से वैराग्य हो गया है, इंद्रियों को भोग देते हुए थक गई हूँ। इसलिए त्याग पूर्वक जीवन व्यतीत करना, हृदय में परमात्मा की अनुभूति सनातन धर्म की विधि परम्परा है। वर्णाश्रम धर्म के ज्ञाता थे कर्दम ऋषि। घर में कपिल भगवान के आगमन के बाद सन्यास ग्रहण कर लिया। कर्दम जी सन्यास धारण करके जंगल जाने को तैयार हुए हैं कपिल ने कहा अपना मन मुझमें लगाकर के मुक्त हो जाओ। जब भगवान हृदय में आते हैं तो वह सामने भी प्रकट हो जाते हैं। मन ही बंधन का कारण है मन ही मुक्ति का कारण है। कपिल ने सांख्य शास्त्र का उपदेश दिया। फिर श्रीमद्भागवत में ये बताया गया है कि भगवान का आश्रय लेकर के धर्म करोगे तो धर्म सफल होगा। ऋषि अत्रि माता अनुसुइया ने भगवान का आश्रय लेकर धर्म किया तो उनके घर में भगवान दत्तात्रेय आ गए। दक्ष प्रजापति ने भगवान शिव का अपमान करके बहुत बड़ा यज्ञ किया लेकिन सफल नहीं हुआ। धर्म का आश्रय ईश्वर है, जीवन में ईश्वर का उपेक्षा कर सफलता प्राप्त नहीं हो सकता है। माता देवहुति धर्म का आश्रय नहीं छोड़ती, दैवी संपदा के प्रतीक हैं माता देवहूति। आदर्श नारियों के ही आदर्श बच्चे होते हैं। धर्म में दृष्टिकोण होना चाहिए कि किसी को हानि नहीं पहुचायेंगे, किसी को धोखा नहीं देंगे तभी धर्म का सम्पूर्ण फल प्राप्त होता है। माता सुनीति और सुरुचि ये दोनों उत्तानपाद की पत्नियां हैं, संसार के जीव उत्तानपाद की तरह है। जीव एक समय पर सुनीति से प्रेम करेगा या सुरुचि से ही। सुनीति का फल ध्रुव है। ध्रुव ने भगवान का आश्रय लिया उत्तम ने आश्रय नहीं लिया। धन्य हैं सुनीति जैसी मां जिन्होंने भगवान का आश्रय लेकर के ध्रुव जैसा पुत्र पैदा किया। सुरुचि के पुत्र उत्तम को जीवन में कोई सफलता नहीं मिली और सुनीति के पुत्र ध्रुव को भगवान के आश्रय से तपस्या से संयम से आराधना से नित्य लोक की प्राप्ति हो गई। ध्रुव भागवत है, माता देवहूति भागवत हैं अत्री अनुसुइया भागवत हैं। आज समाज में श्रेष्ठ पुत्र पैदा करने की आवश्यकता है।

श्रावस्ती में रास्ता क्षतिग्रस्तःमहू रनिया में आवागमन बाधित, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से की शिकायत

(जीएनएस)।

जनपद श्रावस्ती के विकासखंड इकौना अंतर्गत न्याय पंचायत कोलाभार मझगवां की ग्राम सभा कोडारी दिगर रामपुर कटेल में एक प्रमुख रास्ता पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। कैलाश शर्मा के घर से लेकर गुर प्रसाद पासवान के घर तक का यह मार्ग आवागमन के लिए अनुपयोगी हो गया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, यह खड़ंजा मार्ग पिछले दो-तीन महीनों से टूटा हुआ है। पूर्व में लगा खड़ंजा पूरी तरह से उखड़ गया है, जिससे पैदल और वाहन चालकों दोनों को दिक्कत हो रही है। स्थानीय निवासियों पति राम, राजू राव और मिश्रीलाल सहित कई ग्रामीणों ने इस समस्या के बारे में ग्राम प्रधान को अवगत कराया था। प्रधान ने चार-छह दिनों के भीतर टूटे हुए खड़ंजे को ठीक कराने का आश्वासन दिया था। हालांकि, कई दिन बीत जाने के बाद भी ग्राम प्रधान द्वारा इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे परेशान होकर ग्रामीणों ने अब श्रावस्ती के जिलाधिकारी अश्वनी कुमार पांडे को एक प्रार्थना पत्र सौंपा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को अपनी पूरी समस्या से अवगत कराते हुए बताया कि रास्ते के क्षतिग्रस्त होने से उन्हें आवागमन में भारी कठिनाई हो रही है। उन्होंने प्रशासन से इस मामले में उचित कार्रवाई करने और जल्द से जल्द मार्ग की मरम्मत कराने की गुहार लगाई है।

अतिक्रमण तोड़ रहा व्यापार की कमर,व्यापारी इसकी गंभीरता समझें-सरदार बलदेव सिंह

सुल्तानपुरः-

काउंसिल आफ उद्योग व्यापार मंच सुल्तानपुर की कोर कमेटी की एक बैठक जिलाध्यक्ष कुलदीप गुप्ता की अध्यक्षता में नगर के एक रेस्टोरेंट में शनिवार देर रात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरदार बलदेव सिंह एवं मंडल प्रभारी अशोक कसौधन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई, जिला महामंत्री राजेश महेश्वरी ने तीन प्रस्ताव रखे,पहला व्यापारियों द्वारा खुद अतिक्रमण समाप्त करने की पहल करना ।दूसरा रेहड़ी,पटरी,ठेले, गुमटी वाले व्यापारियों को वेंडिंग जोन में प्रतिस्थापित करने हेतु नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपना तीसरा सदस्यता विस्तार के लिए एक कमेटी गठित होना।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरदार बलदेव सिंह ने कहा की व्यापारियों को यह समझने की जरूरत है कि उनके द्वारा किया गया अतिक्रमण स्वयं उनके ही व्यापार को नुकसान पहुंचा रहा है,जिला अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता ने सभी से अपील की कि इस संबंध में व्यापारियों से व्यापक जनसंपर्क की जरूरत है और शीघ्र ही इसे शुरू किया जाएगा। बैठक में दुर्गा पूजा महोत्सव 2025 में विशेष सहयोग के लिये जिला मंत्री संतोष जायसवाल को सम्मानित किया गया।

अंत में जिला महामंत्री राजेश महेश्वरी ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित किया, बैठक में अरविंद द्विवेदी,बृजेश खत्री,राजेंद्र जायसवाल,विजय टंडन,रवि सोनी,अश्वनी वर्मा,हरिशंकर गुप्ता,राजीव श्रीवास्तव,माणिक लाल,अशोक कुमार दिव्या,मनोज जैन आदि उपस्थित रहे।

श्रावस्ती के मध्यनगर में घर में आग लगने का मामलाःपरिवार सो रहा था, लाखों का सामान राख

(जीएनएस)।

श्रावस्ती जिले के मध्यनगर गांव में शनिवार तड़के एक घर में आग लग गई। भिनगा थाना क्षेत्र के गिलौला ब्लॉक स्थित मालिकराम पासवान के घर में हुई इस घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के समय परिवार सो रहा था। सुबह करीब चार बजे लगी आग इतनी भीषण थी कि घर में रखा सारा घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। इसमें एक गाय, एक बछड़ा, साइकिल, चारपाई और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएं शामिल थीं। आग की लपटें देखकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक घर का सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों ने घटना की सूचना संबंधित प्रशासन को दी है। सूचना मिलने पर क्षेत्रीय लेखपाल अमित सिंह मौके पर पहुंचे और क्षति का आकलन किया। पीड़ित मालिकराम पासवान एक निर्धन परिवार से हैं। इस भारी नुकसान की भरपाई उनके लिए कठिन होगी। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और मुआवजे की मांग की है। लेखपाल अमित सिंह ने बताया कि पीड़ित को सरकार द्वारा मुआवजा दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

कुशीनगरः अंडा खाने को लेकर दुकानदार-ग्राहक में विवाद, चाकू से हमला-युवक गंभीर घायल, दुकानदार हिरासत में

कुशीनगर जिले के सेवरही थाना क्षेत्र में एक मामूली विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। लबनिया चौराहे पर अंडे की

दुकान चलाने वाले विनोद गुप्ता (25 वर्ष) ने ग्राहक योगेंद्र गुप्ता (30 वर्ष) पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में योगेंद्र का सिर और चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दुकानदार को उसके घर से हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम करीब 6 बजे योगेंद्र गुप्ता दुकान पर पहुंचे और आमलेट मंगाया। एक आमलेट खाने के बाद उन्होंने दूसरा आमलेट मांगा। दुकानदार विनोद ने पैसे की मांग की। इसी बात को लेकर दोनों में तीखी बहस हो गई।